भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1087

उत्तर देने की तारीख-10/02/2025

आईआईएसईआर कोलकाता की एनआईआरएफ रैंकिंग

†1087. **श्री जगन्नाथ सरकार:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के अनुसार भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) कोलकाता की रैंकिंग 2023 में 43वें स्थान से घटकर 2024 में 61वें स्थान पर आने के क्या कारण हैं;
(ख) गत पांच वर्षों के दौरान आईआईएसईआर कोलकाता में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए स्वीकृत प्रवेश क्षमता और वास्तविक नामांकन का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार के पास गत पांच वर्षों के दौरान आईआईएसईआर कोलकाता के स्नातकों के (प्लेसमेंट) नौकरी लगने और उच्च अध्ययन, वेतन और उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों का कोई आंकड़ा है;
(घ) गत पांच वर्षों के दौरान आईआईएसईआर कोलकाता में पीएचडी कार्यक्रमों में नामांकित और स्नातक पूरा करने वाले छात्रों की संख्या कितनी है; और
(ङ) संकाय सदस्यों की स्वीकृत संख्या और वर्तमान संकाय सदस्यों की संख्या कितनी है और गत पांच वर्षों के दौरान परिवर्तनों के क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) कोलकाता उन सात आईआईएसईआर में से एक है, जिन्हें मूल विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने के लिए प्रमुख संस्थानों के रूप में परिकल्पित और स्थापित किया गया है। सभी

आईआईएसईआर को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित किया गया है। पिछले पांच वर्षों में, वर्ष 2019 से 2023 तक, आईआईएसईआर कोलकाता को समग्र एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 50 में और अनुसंधान श्रेणी में शीर्ष 40 में स्थान दिया गया है। वर्ष 2024 की समग्र रैंकिंग में, संस्थान ने वर्ष 2023 की तुलना में सहकर्मी धारणा पैरामीटर पर अपने स्कोर में सुधार किया है, जो अकादमिक साथियों और नियोक्ताओं के बीच सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

(ख) से (ड.) आज की तारीख में आईआईएसईआर कोलकाता में यूजी, पीजी और पीएचडी कार्यक्रमों के तहत कुल छात्र संख्या 1825 है। संस्थान के लिए स्वीकृत संकाय संख्या 162 है, जिसमें से 127 कार्यरत हैं। इसके अलावा, पिछले पांच वर्षों के दौरान, संस्थान से 289 पीएचडी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। आईआईएसईआर शोध संस्थान होने के कारण, अधिकांश छात्र उच्च अध्ययन का विकल्प चुनते हैं।

****